यूपीईएस को बड़ी सफलता, वैश्विक रैंकिंग में 300 की उछाल

देहरादून, शुक्रवार, 18 अक्टूबर - मल्टीडिसप्लनेरी यूनिवर्सिटी यूपीईएस ने अकादमिक एक्सीलेंस और वैश्विक मान्यता की ओर अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। हाल ही में जारी टाइम्स हायर एजुकेशन (THE) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में, यूपीईएस अब दुनिया के शीर्ष 501-600 विश्वविद्यालयों के प्रतिष्ठित ब्रैकेट में और भारत के टॉप 8 संस्थानों में स्थान पर है। पिछले साल की तुलना में, यह यूपीईएस के लिए 300 से अधिक रैंक की असाधारण छलांग है।

कुल मिलाकर, भारत के शीर्ष 8 विश्वविद्यालयों के एक हिस्से के रूप में, यूपीईएस देश के कुछ सबसे प्रसिद्ध संस्थानों जैसे भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU), और दिल्ली विश्वविद्यालय (DU) की लीग में शामिल हो गया है।

रैंकिंग में यूपीईएस की शानदार वृद्धि रिसर्च, इनोवेशन, वैश्विक सहयोग और छात्रों के सम्पूर्ण विकास पर इसके मजबूत फोकस से प्रेरित है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में दुनिया के शीर्ष 2% शोधकर्ताओं में 45 फैकल्टी मेंबर्स के साथ विश्वविद्यालय के शोध आउटपुट में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके 'रनवे इनक्यूबेटर' ने सफल स्टार्ट-अप को बढ़ावा दिया है, जो उद्यमिता की संस्कृति को दर्शाता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले, यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग और कई अन्य संस्थानों के साथ वैश्विक साझेदारी ने सीखने के अवसरों का विस्तार किया है, जबकि हिमालयन इनोवेशन लैब और श्रीजन सोशल इंटर्नशिप जैसी पहल सामाजिक प्रभाव और स्थिरता के लिए यूपीईएस की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं। इसके अतिरिक्त, छात्रों के सम्पूर्ण विकास और इंडस्ट्री संबंधों पर विश्वविद्यालय के फोकस ने अच्छे छात्र परिणाम सुनिश्चित किए हैं।

इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, यूपीईएस के वाईस चांसलर डॉ. राम के. शर्मा ने कहाः ₹टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में यह शानदार छलांग हमारे फैकल्टी, छात्रों और कर्मचारियों की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह एक वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त संस्थान बनने के हमारे दृष्टिकोण को उजागर करता है जो प्रतिभा का पोषण करता है, इनोवेशन को बढ़ावा देता है और समाज में सार्थक योगदान देता है। हम और भी अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और रिसर्च और अकादमिक एक्सीलेंस की सीमाओं को आगे बढ़ाना जारी रखते हैं।₹ इस गति के साथ, यूपीईएस एक परिवर्तनकारी 'कल का विश्वविद्यालय' बनने, अकादमिक लीडरशिप का निर्माण करने और समाज पर एक स्थायी प्रभाव बनाने के अपने दृष्टिकोण की दिशा में काम करना जारी रखता है। इस फोकस ने न केवल विश्वविद्यालय की अकादमिक प्रतिष्ठा को बढ़ाया है, बल्कि एनआईआरएफ 2024 और क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 जैसी रैंकिंग में हमारी महत्वपूर्ण वृद्धि में भी योगदान दिया है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2024 के अनुसार, यूपीईएस को विश्वविद्यालयों में 46वां स्थान मिला है, जिसमें कानून में 28वां स्थान, प्रबंधन में 41वां स्थान और इंजीनियरिंग में 42वां स्थान है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 द्वारा भारत में अकादमिक प्रतिष्ठा में नंबर 1 निजी विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है।